सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

हैलो सरकार

www.hellosarkar.com

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-241 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, सोमवार 05 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

राजस्थान अब कॉन्सर्ट पर्यटन के क्षेत्र में भी तेज़ी से उभर रहा है, जो निवेश के खोल है रहा नए द्वार-दिया कुमारी

जयपुर। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से 14वें ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार (जीआईटीबी) के अवसर पर जयपुर, राजस्थान में %मीट इन इंडिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया।

इस मौके पर भारत सरकार के पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कॉन्क्लेव को संबोधित किया और कहा कि भारत का मीटिंग, इन्सेन्टिव्ज, कॉन्फ्रेंस और एग्जीबिशंस (स्ध्रुष्टश्व) उद्योग उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा करने वाला एक प्रमुख आर्थिक चालक बनने के लिए तैयार है।

कॉन्क्लेव में संबोधित करते हुए, शेखावत ने कहा, भारत का स्ध्रुष्टश्व उद्योग तेजी से एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, जिसे मजबूत आर्थिक विकास, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और मजबूत सरकारी समर्थन से बल मिल रहा है। देश भर के राज्य अपने-अपने अनूठे तरीकों से पर्यटन के अवसरों का लाभ उठा रहे हैं - और अब समय आ गया है कि भारत वैश्विक स्ध्रुष्टश्व मानचित्र पर अपनी स्थिति मजबूत करे।

भारत मंडपम, यशोभूमि और जियो वर्ल्ड सेंटर जैसे प्रतिष्ठित स्थलों और इन्क्रेडिबल इंडिया कैम्पेन के तहत स्ध्रुष्टश्व को प्राथमिकता देने के साथ, हमारा लक्ष्य कम से कम 10 भारतीय शहरों को दुनिया के शीर्ष स्ध्रुष्टश्व स्थलों में शामिल कराना है। पर्यटन मंत्री ने स्ध्रुष्टश्व क्षेत्र में देश की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऋप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व से प्रेरित होकर तथा राजस्थान जैसे राज्यों की विरासत और नवाचार के माध्यम से अग्रणी भूमिका के साथ, भारत

दुनिया का सबसे प्रशंसित पर्यटन और आयोजन स्थल बनने की ओर अग्रसर है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने इस बात पर जोर दिया कि पर्यटन और आतिथ्य दुनिया के सबसे बड़े रोजगार सृजनकर्ताओं में से हैं। उन्होंने भारत की युवा, महत्वाकांक्षी अर्थव्यवस्था में उच्च गुणवत्ता वाली, कौशल-प्रधान नौकरियां सृजित करने के लिए इस क्षेत्र की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। केवल बुनियादी ढांचे के विकास से आगे बढ़कर व्यापक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हुए बेरी ने कहा, ऋनीति आयोग में हम स्ध्रुष्टश्व पर्यटन को केवल एक प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की अनिवार्यता के रूप में भी देखते हैं।ऋ उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र-राज्य समन्वय, डि-रेगुलेशन और मंत्रालयों के बीच अलगाव को खत्म करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत को एक व्यापक पर्यटन अनुभव की ओर बढ़ना चाहिए, जिसमें आयोजनों, कल्चरल इन्फ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को एकीकृत किया जाए ताकि इसकी क्षमता को पूरी तरह से उपयोग में लिया जा सके।

इस समारोह में उप मुख्यमंत्री, दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान केवल एक हेरिटेज डेस्टिनेशन ही नहीं है, बल्कि एमआईसीई पर्यटन के लिए एक जीवंत व भविष्य के लिए तैयार हब है। अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर्स, सहज कनेक्टिविटी व डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और विश्व स्तरीय आतिथ्य के साथ हम डायनेमिक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं, जो परिवर्तन के साथ परंपरा का संयोजन करता है।

उन्होंने आगे कहा कि हमारी सांस्कृतिक समृद्धि से लेकर ग्रामीण पर्यटन सर्किट और नए डेस्टिनेशन के विकास तक राजस्थान के प्रत्येक भाग को उच्च-प्रभाव वाले आयोजनों की मेजबानी करने के लिए तैयार किया जा रहा है। हम मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी की शक्ति में विश्वास रखते हैं, जहां स्थानीय कारीगरों से लेकर लक्जरी होटल व्यवसायियों तक, जमीनी स्तर की लॉजिस्टिक टीमों से लेकर वैश्विक योजनाकारों तक हर कोई अपनी भूमिका निभाता है। एमआईसीई के प्रति राजस्थान की प्रतिबद्धता को सिर्फ अल्पकालिक प्रयास के रूप में नहीं, बल्कि विकास, नवाचार और ग्लोबल विजिबिलिटी को गति देने में रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में राजस्थान के संदर्भ में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान न सिर्फ कॉन्फ्रेंसों की मेजबानी के लिए तैयार है, बल्कि कभी ना भूलने वाला समृद्ध अनुभव प्रदान करने के लिए भी पूरी तरह से तैयार है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि आज राजस्थान केवल अपने भव्य किलों और महलों के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी सदियों पुरानी शिल्पकला, भावपूर्ण लोकसंगीत, कालातीत वास्तुकला और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के साथ रुरल टूरिज्म और यहाँ की हॉस्पिटैलिटी के लिए भी जाना जाता है। राजस्थान कॉन्फ्रेंस और इवेंट्स के लिए भी नंबर वन होने वाला है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धन्यवाद देते हुए कहा कि- यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूर दृष्टि का परिणाम है। पहले मेड इन इंडिया हुआ, अब मीट इन इंडिया हो रहा है। राजस्थान एक कॉन्फ्रेंस डेस्टिनेशन के रूप में खड़ा हो रहा है।बहुत जल्द राजस्थान मंडपम शुरू होने जा रहा है। कॉन्सर्ट टूरिज्म फैसेलिटीज भी राजस्थान में ज्यादा जगह क्रिएट करेंगे, इसके लिए और अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर राजस्थान में बनने जा रहा है। राजस्थान वैश्विक मानचित्र पर एक विशिष्ट स्थान रखता है। यह प्रदेश अब कॉन्सर्ट पर्यटन के क्षेत्र में भी तेज़ी से उभर रहा है, जो निवेश एवं साझेदारियों के नए द्वार खोल रहा है। आज का राजस्थान एक ओर जहाँ अपनी परंपराओं को सहेजे हुए है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक बुनियादी ढांचे और पर्यटन-अनुकूल नीतियों के माध्यम से ग्लोबल टूरिज़्म हब बनने की ओर अग्रसर है। यह राज्य अब केवल घूमने-फिरने की जगह नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, बिजनेस मीटिंग्स, सांस्कृतिक मेलों और वैश्विक आयोजनों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य बनता जा रहा है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने केंद्र से मिल रहे फंड के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि इसी को डबल इंजन की सरकार कहते हैं। ओडिशा की सरकार की उप मुख्यमंत्री, प्रावती पारिदा ने कहा, चाहे कॉन्फ्रेंस हों या एग्जीबिशन, भारत दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार है, और ओडिशा इसके अग्रणी राज्यों में गर्व से शामिल हैं। पुरी की आध्यात्मिक शांति से लेकर कोनर के वास्तुकारिक चमत्कार तक, हमारा राज्य न केवल मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान कर रहा है, बल्कि सभी अनुभवों के लिए सांस्कृतिक टेपेस्ट्री प्रदान करता है।

आरक्षण मांगों पर संगठन की उच्च अधिकार समिति ने की उपमुख्यमंत्री से भेंट

मीनेश चंद्र मीना
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

जयपुर/सवाई माधोपुर। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग अधिकारी/कर्मचारी संघ रविवार को राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा से मिलकर अपनी 9 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

महासंघ की 9 सूत्रीय मांगों पर बैठक -

प्रेस विज्ञप्ति जारी कर संगठन के सवाई माधोपुर जिलाध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि संगठन के मांगपत्र में मुख्य रूप से सभी विभागों मे लंबित बैकलॉग को एक विशेष भर्ती अभियान चलाकर निश्चित समय सीमा मे भरना, प्रदेश की सभी निजी एवं सरकारी संस्थाओं में की जा रही संविदा /ठेका व्यवस्था भर्ती मे पूरा आरक्षण दिया जावे, आरक्षित वर्गो के छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृति वर्तमान महंगाई सूचकांक के अनुसार बढ़ाकर समय पर देना, अनुसूचित जाति -जनजाति वर्गो के लिए वार्षिक आय की सीमा रू

2.50 लाख से बढ़ाकर ह्लक्च्/श्वङ्कस् की तरह 8.00 लाख तक की जावे, आरक्षित वर्गो के शिक्षित गरीब युवाओं को भी विदेश के लिए शिक्षा छात्रवृति योजना के तहत विदेशों में शिक्षा एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना, भारत / राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं मे पूरा आरक्षण लाभ दिलवाना, सभी विभागों मे रोस्टर रजिस्टरों का संधारण करवाना एवं आरक्षित प्रकोष्ठ का गठन कर आरक्षित वर्ग के ही लाइसन अधिकारी की नियुक्ति करवाना, नई भर्तियों और पदोन्नति मे हो रहे नुकसान को दूर करवाकर पूरा आरक्षण लाभ देते हुए संशोधित विज्ञापन जारी करवाना एवं अन्य पिछड़ा वर्ग को पदोन्नति मे आरक्षण लाभ दिलवाना जैसी नौ महत्वपूर्ण मांगों को लेकर उपमुख्यमंत्री से उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

मांगपत्र पर उपमुख्यमंत्री जी से विस्तृत चर्चा -

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए राजस्थान सरकार की उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि - मै जल्दी ही प्रदेश के मुख्यमंत्री जी से पूरी बात करूंगा और मांगपत्र मे वर्णित मांगो से संबंधित मंत्रियों, मुख्यमंत्री और अधिकारियों के साथ एक समिति बनाकर संगठन की उच्च अधिकार समिति से वार्ता की जावेगी।

जिलाध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि वर्तमान में सरकार से जो हमारी सकारात्मक वार्ता चल रही है उससे पुरे आरक्षित वर्ग का भला होने के आसार लग रहे है।

31 मई तक प्रदेश में नई कार्यकारिणी की घोषणा -

उपमुख्यमंत्री से वार्ता के पश्चात संगठन उच्च अधिकार समिति की मीटिंग हुई। जिसमें प्रदेशाध्यक्ष रामस्वरूप मीणा द्वारा लिए गए निर्णय को अमलीजामा पहनाया गया। बैठक की निर्णयों के अनुसार 31 मई तक प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की जावेगी और सभी 41 जिलों मे जिलाध्यक्ष मय जिला कार्यकारिणी घोषित की जावेगी तथा जून के अंतिम सप्ताह मे संगठन का प्रदेश अधिवेशन होगा, जिसमें सभी जिला अध्यक्षों को संविधान की शपथ होगी तथा प्रदेश कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण भी होगा। जुलाई 2025 से सभी जिलों मे जिला अधिवेशन आयोजित होंगे, जिनकी रुपरेखा जिलाध्यक्ष तैयार करेंगे। आज प्रतिनिधिमंडल मे प्रदेश अध्यक्ष के साथ उच्च अधिकार समिति के सम्मानित सदस्य डॉ कुसुमलता मीणा, श्री कल्याण सहाय मीणा, श्री सूरज मल पालीवाल, डॉ चंद्रशेखर मीणा, श्री श्रीराम मीणा, श्री मोहन लाल मीणा, श्री कैलाश चंद मीणा एवं अन्य सक्रिय साथी श्री कैलाश चंद मीणा, सहायक आचार्य श्री विजेंद्र कुमार मीणा एवं श्री सुरेश कुमार जीनागल, श्री रामरतन मीणा, श्री कमलेश बैरवा, श्री झाला जी एवं श्री ओमप्रकाश बैरवा उपस्थिति रहे।

राजस्थान एसओजी एक्शन

नीट पेपर दिलाने का झांसा देकर ठगने वाले तीन आरोपी पकड़े, 40 लाख की कर रहे थे डिमांड

जयपुर। राजस्थान में नीट परीक्षा 2025 से पहले एक बड़ी धोखाधड़ी की साजिश को एसओजी ने वक्त रहते उजागर कर दिया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी ने बताया कि नीट पेपर दिलाने का झूठा झांसा देकर ठगी की योजना बना रहे तीन लोगों को डिटेन किया गया है। यह कार्रवाई एसओजी और जिला पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई, जिसमें 4 मई 2025 को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा को लेकर अफवाह फैलाने और पेपर उपलब्ध कराने का वादा कर रहे व्यक्तियों को पकड़ा गया। डिटेन किए गए तीन आरोपियों में बलवान पुत्र इन्द्रसिंह, उम्र 27 वर्ष, निवासी गागडवास, तहसील राजगढ़, जिला चुरू, मुकेश मीना पुत्र नथोलीराम मीना, उम्र 40 वर्ष, निवासी शेखपुरा, जिला करौली, हरदास पुत्र जगराम, उम्र 38 वर्ष, निवासी बनगोठड़ी, तहसील पिलानी, जिला झुंझुनूं शामिल है।

एसओजी टीम ने इनपुट्स के आधार पर दो दिन तक दिल्ली और गुड़गांव में कैंप कर जांच की, जिसमें यह तथ्य सामने आया कि ये आरोपी फर्जी तरीके से छात्रों और उनके परिजनों को नीट परीक्षा का पेपर दिलाने का झांसा देकर 40 लाख रुपए की डिमांड कर रहे थे।

अफवाह फैलाने और पैसे ऐंठने की यह साजिश भले ही टेक्नोलॉजी के सहारे गढ़ी गई हो, लेकिन एसओजी की सधी हुई रणनीति के चलते समय रहते नाकाम हो गई। पुलिस की अपील = राज्य पुलिस और एसओजी की ओर से आमजन से अपील की गई है कि इस प्रकार के 'पेपर दिलाने', 'पास करवाने' जैसे झांसे में न आएं। ऐसे किसी भी व्यक्ति की सूचना तुरंत एसओजी हेल्पलाइन नंबर 9530429258 पर दें। नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा को लेकर अफवाह फैलाना, फर्जीवाड़ा करना या झूठा भरोसा देना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। समाज की ज़िम्मेदारी भी ज़रूरी = इस मामले में यह स्पष्ट होता है कि परीक्षा से जुड़ा तनाव और प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाकर कुछ ठग लोग छात्रों और उनके परिवारों को झांसे में लेने की कोशिश करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि जन-जागरूकता बढ़े और कानून-व्यवस्था को सहयोग किया जाए।

भ्रष्टाचार के मामले में MLA गिरफ्तार

मीनेश चंद्र मीना, हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

जयपुर। भारतीय आदिवासी पार्टी के विधायक जय कृष्णा पटेल का गनमैन ने सरकारी क्वार्टर में रिश्वत के 20 लाख रुपए लिए थे। पूरा मामला ढाई करोड़ रुपए की रिश्वत में डील हुआ था। रिश्वत लेने के बाद गनमैन मौके से फरार हो गया।

गौरतलब है कि एसीबी राजस्थान ने बागीदौरा (बांसवाड़ा) विधायक जयकृष्ण पटेल को रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा है। भारत आदिवासी पार्टी (बाप) से विधायक जयकृष्ण पटेल को जयपुर के ज्योति नगर

स्थित उनके सरकारी क्वार्टर से डिटेन किया है।जानकारी के अनुसार विधायक का गनमैन रिश्वत के 20 लाख रुपए ले रहा था। वह मौके से भाग गया। गनमैन की तलाश में एसीबी की टीमें दबिश दे रही हैं।

कंपनी से ढाई करोड़ रुपए मांगे थे, 20 लाख रुपए की पहली किस्त -

आज रविवार को दोपहर ही एसीबी को विधायक के रिश्वत लेने की सूचना मिली थी। जयकृष्ण पटेल एक कंपनी को पिछले कुछ समय से काम नहीं करने को लेकर परेशान कर रहे थे। उन्होंने कंपनी से ढाई करोड़ रुपए मांगे थे। कंपनी ने एसीबी को इसकी सूचना दी। इस पर एसीबी ने शिकायत का सत्यापन कराया। एसीबी की टीम ने विधायक के कुछ मोबाइल नंबर, गनमैन के नंबर सहित कंपनी के कुछ कर्मचारियों को सर्विलांस पर लिया। शिकायत की पुष्टि होने पर आज एसीबी ने जाल बिछाया। इसके बाद विधायक को पकड़ लिया। जयकृष्ण को पूछताछ के बाद एसीबी मुख्यालय ले जा रहे हैं। इस संबंध में डीजी एसीबी डॉ. रवि प्रकाश शाम 5 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

डॉक्टर बनाने का सौदा 40 लाख रुपए, पर पहुंच गए हवालात

रविप्रकाश जूनवाल
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

गुरुग्राम। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) का 40 लाख रुपए में पेपर दिलाने का झांसा देने वाले कॉन्स्टेबल सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। कॉन्स्टेबल और उसके दो साथियों ने स्टूडेंट व उसके पेरेंट्स से 40 लाख में नीट का पेपर उपलब्ध कराने का सौदा किया।

स्टूडेंट और उसके माता-पिता को ले गए गुरुग्राम -

आपको बता दे, आरोपी दो दिन पहले यानी शुक्रवार को स्टूडेंट और उसके आरोपी दो दिन पहले यानी शुक्रवार को स्टूडेंट और उसके माता-पिता को गुरुग्राम (हरियाणा) लेकर गए। कहा कि वहां से पेपर मिल जाएगा। वहां वे परिवार पर पहले रकम देने का दबाव बनाने लगे। पेपर दिखाने को कहा तो बहाना बनाया। इस पर स्टूडेंट के परिवार ने राजस्थान स्पेशल ऑपरेशनल ग्रुप (सोग) को सूचना दे दी।एसओजी ने जयपुर मेट्रो थाने में तैनात कॉन्स्टेबल हरदास (38) पुत्र जगराम निवासी बनगोठड़ी तहसील

पिलानी (झुंझुनूं) समेत 3 लोगों को रविवार को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों के मोबाइल जब्त कर उनकी जांच की जा रही है। इनके मोबाइल में पीड़ित परिवार के साथ हुई चैट भी मौजूद है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी कॉन्स्टेबल हरदास ने परिवार को 40 लाख रुपए में रविवार को होने वाले नीट यूजी का पेपर मुहैया कराने का झांसा दिया था। उन्होंने जयपुर के एक परिवार से रकम की डिमांड की। फिर परिवार को शुक्रवार को गुरुग्राम ले जाकर अपने साथियों से मिलाया। आरोपी ने परिवार को शाम तक बैठाए रखा, लेकिन पेपर नहीं दिया। वे लोग बहाने करते रहे। इसके बाद परिवार ने एसओजी से संपर्क कर जानकारी दी। एसओजी ने सूचना मिलने पर एक टीम गुरुग्राम भेजी।

कॉन्स्टेबल हरदास के साथी बलवान (27) पुत्र इंद्रजीत निवासी गागडवास तहसील राजगढ़ (चूरू) और मुकेश मीना (40) निवासी नथोलीराम मीणा निवासी शेखपुरा (करौली) को गुरुग्राम से डिटेन कर लिया। कॉन्स्टेबल फरार हो गया। उसे गिरफ्तार करने के लिए एसओजी ने कई टीमों को एक्टिव किया। शनिवार शाम को एसओजी ने हरदास को राजसमंद से डिटेन कर लिया।

ठगी का शक, पूछताछ में होंगे खुलासे -

शुरुआती पूछताछ में एसओजी ने ठगी का मामला होने का शक जाहिर किया है। पीड़ित परिवार से रकम मिलने के बाद आरोपी फरार होने वाले थे। इनके पास कोई पेपर नहीं था। रविवार को तीनों को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा जाएगा। इसके बाद आगे की जांच की जाएगी।

जयपुर में डंपर की टक्कर से NEET देने जा रहीं दो छात्राओं समेत तीन की दर्दनाक मौत

जयपुर। राजधानी जयपुर के बस्सी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो छात्राओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। दोनों छात्राएं नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (हृश्वश्वञ्ज) देने के लिए घर से निकली थीं। हादसा सुबह करीब 8=45 बजे हुआ, जब एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक छात्राएं प्रिया शर्मा (22) और खुशी शर्मा (21) दीपुरा गांव, बस्सी की रहने वाली थीं। दोनों हृश्वश्वञ्ज परीक्षा देने के लिए निकली थीं और रास्ते में उन्हें रानियां वास (दौसा) निवासी अशोक कुमार बैरवा मिला, जो बाइक

पर था। दोनों छात्राओं ने अशोक से बस्सी तक लिफ्ट ली थी। बस्सी ओवरब्रिज के पास एक डंपर ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर को जब्त किया। चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने तीनों शवों को बस्सी सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। मृतकों की पहचान उनके मोबाइल और दस्तावेजों के आधार पर की गई। एएसआई तोताराम ने बताया कि अशोक कुमार मजदूरी के लिए निकला था। उसके बैग से हथौड़ी और खुरपी मिली है। वह बस्सी में किराए के कमरे में अपने रिश्तेदारों के साथ रहता था।

इस दर्दनाक हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। दोनों छात्राएं डॉक्टर बनने का सपना लेकर परीक्षा देने जा रही थीं, लेकिन सड़क हादसे ने उनके सपनों के साथ उनका जीवन भी छीन लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

राजस्थान में बारिश के साथ ओले गिरे: जयपुर में अंधड़, सीकर-नागौर में ओलावृष्टि

मीनेश चंद्र मीना
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

जयपुर। राजस्थान में शनिवार दोपहर बाद अचानक मौसम बदल गया। जयपुर समेत कई जिलों में अंधड़ के साथ बारिश हुई। सीकर-नागौर में ओले गिरे। मौसम विभाग ने 4 मई को 12 जिलों में बरसात का अलर्ट जारी किया है। मौसम के इस बदलाव के बाद कई शहरों में तापमान गिरा और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

कोटा, बारां, झालावाड़, अजमेर में भी दोपहर बाद आंधी चली और बादल छाने के बाद कुछ जगहों पर बूंदाबांदी हुई। पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो 2 मई को जयपुर, अलवर, भरतपुर, दौसा, झुंझुनूं समेत अन्य पूर्वी जिलों

में सुबह-सुबह आंधी चली और बादल छाए। दिन में भी इन शहरों के अलावा उत्तरी जिलों में हवा चली, लेकिन गर्मी कम रही।

2 मई को दिन में सबसे कम गर्मी पिलानी में रही, जहां अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस तक ही पहुंचा था। पिलानी के अलावा हनुमानगढ़ में भी गर्मी से लोगों को बहुत राहत रही। यहां अधिकतम तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। झुंझुनूं में 33.9, धौलपुर में 34.9, गंगानगर में 34.8, अलवर में 32.5, अजमेर में 36.9, सीकर में 37.5 चूरू में 36.2, करौली में 35.4 और दौसा में 35.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। जयपुर में 2 मई को अधिकतम तापमान गिरकर 35.5 सेल्सियस पर दर्ज हुआ।

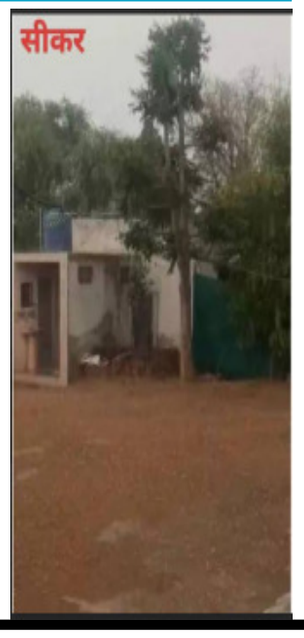

मध्य वर्ग के विरोधाभास और शिक्षा का बाजारीकरण

हमारे स्कूल में हम धाराप्रवाह अंग्रेजी में बात नहीं करते थे, हमारे पास वह सब नहीं था जिसे आज वाली पीढ़ी एक जरूरी 'सांस्कृतिक पूंजी' मानती है - वे प्रतीक और चाल-चलन, जो हमें हर उस चीज़ से अलग करे, जो 'सामान्य' है। और फिर भी, मुझे यह कहने में जरा संकोच नहीं है कि हमें काफी हद तक बढ़िया शिक्षकों की संगति मिली, और हमारा शैक्षणिक कौशल काफी संतोषजनक रहा। इसके अलावा, इस सरकारी स्कूल में, मैंने विविधता और बहुलता के परमानंद का अनुभव किया।

अविजित पाठक

शिक्षा की दुकानें अपने पैकेज्ड यानी कमोडिफ़ाइड शिक्षा की कीमत कम करें। हालांकि, सरकार से यह मांग करना कि जो टैक्स हम भरते हैं, उसका सही इस्तेमाल किया जाए ताकि कम से कम किफ़ायती, समावेशी और अच्छी गुणवत्ता वाले सरकारी स्कूल, सरकारी विश्वविद्यालय और सरकारी अस्पताल मिल सकें, इस हक के वास्ते सड़क पर उतरना हमें मंजूर नहीं।

जब हाल ही में मैंने राष्ट्रीय राजधानी में फीस में अनाप-शनाप वृद्धि-ट्यूशन फीस से लेकर वातानुकूलित कक्षाओं के लिए अतिरिक्त शुल्क तक के खिलाफ गुस्साए अभिभावकों की खबरें देखीं तो मेरे मन ने उन विरोधाभासों पर विचार करना शुरू कर दिया, जो तथाकथित तरक्कीपसंद एवं महत्वाकांक्षी वर्ग के जीवन-ढंग को चरितार्थ करते हैं। हां, मैं समझ सकता हूं कि कोई फैंसी निजी स्कूल, जहां वे अपने बच्चों को शिक्षा के लिए भेजते हैं, यदि मनमाने ढंग से फीस बढ़ा दे, उनकी जरा सुनवाई न करे और उन्हें महंगी वर्दी, नोटबुक और गैर-एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें खरीदने के लिए मजबूर करे, तो गुस्सा होने के उनके कारण वाजिब हैं। मेरी उस अभिभावक से पूरी सहानुभूति है, जब वह कहता है कि एक बंदे की कमाई पर चलने वाले परिवार के लिए 50,000 रुपये सालाना प्रति बच्चा का अतिरिक्त चुकाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

फिर भी इन गुस्साए अभिभावकों से एक सवाल पूछे बिना मुझसे रहा नहीं जा रहा- क्या उन्हें नहीं पता था कि बच्चों को इन आलीशान निजी स्कूलों में भेजने का उनका फैसला शिक्षा के बाजारीकरण और वस्तुकरण को अपनी सहमति देने जैसा था? और क्या यह सच नहीं है कि हममें से कई लोग, जो इस वर्ग से हैं, क्या कभी उन्होंने कभी सरकार पर यह दबाव डालने की जहमत उठाई है कि सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल हमारे बच्चों को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए सुसज्जित क्यों नहीं हैं? वास्तव में, इसकी बजाय जब मैं हर सुबह डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, सिविल सेवक, प्रोफेसर और अन्य पेशेवरों को अपने बच्चों के साथ वातानुकूलित स्कूल बसों का इंतज़ार करते हुए देखता हूं और ठीक इसी वक्त फटे-मटमैले कपड़ों में कुपोषित बच्चे पास के नगरपालिका स्कूलों की ओर जा रहे होते हैं, मैं एक अन्य तल्ख हकीकत देख रहा होता हूं, जो अत्यधिक असमान व विषमता भरे इस देश की विशेषता है। शायद ही कभी ये दोनों दुनिया आपस में मिलती हों। वास्तव में, हम यह विलय करना ही नहीं चाहते थे। एक सुचालित सार्वजनिक क्षेत्र के लिए हमने मिलकर लड़ाई लड़ी ही नहीं। इसकी बजाय, हमने खुद को हर उस चीज़ से अलग करना शुरू कर दिया जो 'सार्वजनिक' है। सार्वजनिक परिवहन की बजाय अपने निजी वाहन या सरकारी अस्पतालों की बजाय निजी नर्सिंग होम तक - हमने खुद का गरीबों, वंचितों और निम्न मध्यम वर्ग के संघर्षों से किनारा कर लिया।

इसका नतीजा यह है कि सरकार भी सामाजिक रूप से सार्थक सभी कल्याणकारी परंपराओं से दूर होती जा रही है। इसलिए, कुछ हद तक यह पाखंड लगता है, जब हम इस पर रोष करने लगें कि नई दिल्ली के एक जाने-माने निजी स्कूल की वार्षिक ट्यूशन फीस (पंजीकरण, विकास, परीक्षा शुल्क और परिवहन जैसे अतिरिक्त शुल्कों के अलावा) 2 लाख रुपये है। यह सोच कुछ वैसी ही है कि यदि आप और मैं गुहार करें और अपनी वित्तीय कठिनाइयों की कहानियां बताएंगे तो कोई फैंसी कॉर्पोरेट अस्पताल पसीज कर अपना शुल्क घटा देगा!

यह वास्तव में चिंता का विषय है कि हमारे सार्वजनिक स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय तेजी से कम हो रहे हैं, और निजी उद्यम कुकुरमुत्ते की भांति तेजी से उग रहे हैं। संभवत:, मेरी पीढ़ी कुछ हद तक भाग्यशाली थी। जी हां, मैं पश्चिम बंगाल के एक बांग्ला-माध्यम सरकारी विद्यालय में पढ़ा हूं। हमारे स्कूल में हम धाराप्रवाह अंग्रेजी में बात नहीं करते थे, हमारे पास वह सब नहीं था जिसे आज वाली पीढ़ी एक जरूरी 'सांस्कृतिक पूंजी' मानती है - वे प्रतीक और चाल-चलन, जो हमें हर उस चीज़ से अलग करे, जो 'सामान्य' है। और फिर भी, मुझे यह कहने में जरा संकोच नहीं है कि हमें काफी हद तक बढ़िया शिक्षकों की संगति मिली, और हमारा शैक्षणिक कौशल काफी संतोषजनक रहा। इसके अलावा, इस सरकारी स्कूल में, मैंने विविधता और बहुलता के परमानंद का अनुभव किया। मेरे दोस्त अलग-अलग जातियों, वर्गों और धर्मों से थे। अमीर और गरीब के बीच कोई भेदभाव नहीं था। वास्तव में, जो लोग निजी स्कूलों के सामने फीस वृद्धि का विरोध कर रहे हैं, उन्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि जब मैंने 1974 में अपनी बोर्ड परीक्षा दी थी, तब ट्यूशन फीस मात्र 5 रुपये प्रति माह थी!

संभवत:, 'सामान्य स्कूलों' वाली महान दृष्टि जो कोठारी शिक्षा आयोग, 1966 की सिफारिशों की विशेषता थी, तब तक भी जीवित थी। भारत गरीब था लेकिन तब भी, 'दक्षता' और 'विकास' के नवउदारवादी सिद्धांत में छिपा बाजार-कट्टरवाद का तर्क इतने स्पष्ट रूप से उघड़ा नहीं था। सरकारी स्कूलों से लेकर समावेशी और किफ़ायती सार्वजनिक विश्वविद्यालयों तक - हमारी यह यात्रा, भले ही परिपूर्ण न हो, लेकिन इसने हमें सिखाया कि किस प्रकार समाजवादी व कल्याणकारी नीतियों के बिना, भारत असमानता और शोषण के अभिशाप को दूर करने, एक लोकतांत्रिक और समतावादी राष्ट्र की ओर नहीं बढ़ सकता।

हालांकि, हमारे समय में भी, नवउदारवादी बाजार कट्टरवाद की चमक-दमक ने हमउम्रों को भी बहकाया है। कोई आश्चर्य नहीं कि हम सरकार से कुछ भी ठोस मांग नहीं करते हैं। इसकी बजाय, हमने यह स्वीकार लिया है कि लगभग हर वह चीज- चाहे शिक्षा हो या स्वास्थ्य, यहां तक कि शुद्ध हवा भी- एक वस्तु भर है और अगर आपके और मेरे पास पैसा है, तो हम इसे खरीद सकते हैं। 'सार्वजनिक मुद्दों के निजी समाधानों' में यह नवउदारवादी विश्वास इतना गहरा पैठ चुका है कि हम सरकार से कुछ भी ठोस मांगना भूल गए हैं। हमें अपने विरोधाभासों को स्वीकार करना होगा। हम चाहते हैं कि ये शिक्षा की दुकानें अपने पैकेज्ड यानी कमोडिफ़ाइड शिक्षा की कीमत कम करें। हालांकि, सरकार से यह मांग करना कि जो टैक्स हम भरते हैं, उसका सही इस्तेमाल किया जाए ताकि कम से कम किफ़ायती, समावेशी और अच्छी गुणवत्ता वाले सरकारी स्कूल, सरकारी विश्वविद्यालय और सरकारी अस्पताल मिल सकें, इस हक के वास्ते सड़क पर उतरना हमें मंजूर नहीं। साझा सार्वजनिक चिंताओं के प्रति हमारी इस उदासीनता ने ही ऐसी स्थिति पैदा की है जिसमें हम तमाम सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की कम होती संख्या देख रहे हैं। उदाहरण के लिए, मेरे अपने स्कूल को ही लें, जिसने कभी मुझे मंत्रमुग्ध कर रखा था। आज जब मैं इस सरकारी स्कूल में जाता हूं, तो मैं हर जगह पसरा पतन देखता हूं- खाली पड़ी कक्षाएं, कम नामांकन और हतोत्साहित शिक्षक। दूसरी ओर, मैं मध्यवर्ग के लोगों की फैंसी निजी स्कूलों और ब्रांडेड कोचिंग सेंटरों के प्रति आसक्ति देखता हूं। संदेश स्पष्ट है - शिक्षा आपका अधिकार नहीं है, यह बाजार में एक वस्तु भर है, जो आपको खरीदनी पड़ रही है और अगर आपके पास आवश्यक पैसा नहीं है, तो इसे भूल जाएं! क्या हम जैसे लोग इन विरोधाभासों से पार पा सकेंगे, सड़क पर आकर शिक्षा के बदसूरत वस्तुकरण का विरोध कर पाएंगे और सरकार पर किफायती, समावेशी और अच्छी गुणवत्ता वाले सार्वजनिक स्कूल और विश्वविद्यालयों को बढ़ावा देने के लिए दबाव डाल सकते हैं?

लेखक समाजशास्त्री हैं।

संपादकीय

गुणवत्ता की शिक्षा

निस्संदेह, सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन-फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान स्कूल फीस विनियमन अधिनियम, 2016 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। जिसमें शिक्षा में मुनाफाखोरी रोकने के राज्य के अधिकार की पुष्टि की गई है। निस्संदेह, ऐसी ही स्थितियों में दिल्ली में प्रभावित अभिभावकों के विरोध प्रदर्शनों ने दिल्ली की भाजपा सरकार को एक नियामक विधेयक लाने के लिये बाध्य किया। उल्लेखनीय है कि इस कानून में उन स्पष्ट प्रवर्तन प्रावधानों को शामिल करने की कोशिश की गई है, जिनके जरिये शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों के बीच विवादों को कम किया जा सके।

दूसरों के बारे में देखने से क्या फायदा

(लेखक- संजय गोस्वामी)

अक्सर आजकल लोगों को दूसरे के बारे में ज्यादा सोचते हैं उसने ऐ घर ले लिया उसके पास सबकुछ है मेरे पास कुछ नहीं और अपनी चादर से अधिक पैर फैलाते हैं जिससे उसे आर्थिक संकट पैदा होती है उसे क्या मिला जो मिला वो उसके कर्म और भाग्य के कारण मिला जिससे आपको ना मिलने पर कुंठा घर कर जाती है दूसरों को नौकरी मिला अच्छी बात है मेहनत की और मिला लेकिन आप हमेशा उस भगवान राम को ध्यान कीजिये आप दूसरे के घर में ताकना छोड़ कर सच्चाई को जानने की कोशिश करेंगे ऐ संसार मिथ्या है भ्रम में फंसा है आप उससे बाहर निकल कर ईश्वर का ध्यान करें कुछ भी नहीं तो शांति अवश्य मिलेगी इंसान को बनाया ईश्वर ने ज्ञान भी दिया लेकिन ज्ञान को एक जगह संचित नहीं करने से दिमाग़ भटकने लगता है और वो अपने से तुलना कर और भी निराश या अधिक होने पर खुशी में रहता है अब आप सतर्क हो जाएं क्योंकि आपके पास जो समय मिला है वो बहुत ही कम है जिंदगी एक नाटक की तरह जिसमें सब अपना रोल प्ले करते हैं लेकिन यदि कोई अच्छा रोल कर रहा हो तो उसके बारे में सोच कर डर से अपना रोल भूल जायेंगे और मंच पर आप खुद मज़ाक के पात्र बन जायेंगे आप ईश्वर पर ध्यान कीजिये भगवान श्री राम पर ध्यान करें ध्यान भटक रहा है तो कुछ समय के लिए बेकार की बातों को सोचना छोड़ दीजिये मुझे क्या करना है वो नेक और पवित्र होना चाहिए विचार सही होगा तो तनाव नहीं होगा सुख और दुःख जीवन में आते रहते हैं जीवन बहुत मुश्किल से मिला है और दोबारा आसानी से नहीं मिलेगा अतः बची खुची जिंदगी को खुशी से जियें लोग क्या कर रहें हैं क्या सोचेंगे इसपर ध्यान देने से आपकी परेशानी और ज्यादा बढ़ेगी अतः मन को शांत कर एकाग्र होने की कोशिश करें हमेशा अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दे क्योंकि अगर आपका स्वास्थ्य ही ठीक नहीं रहेगा तो आप दूसरे पर निर्भर करेंगे और मैं बता रहा हूँ उस समय झेलाना आपको पड़ेगा जो कष्टदाई होगा इस जगत में जब सब एक दिन नस्ट होने वाला है तो क्यों न जो सत्य है उसपर ध्यान दें इसलिए प्रभु राम का ध्यान कीजिये और खुश रहें क्योंकि अंत में उन्ही का नाम सत्य होता है जो सभी बंधनों से मुक्त और सदा आपको गलत चीजों से बचाता है संस्कार अच्छा रहेगा तो सब कुछ मिलेगा कोई बहुत बड़ा आदमी क्यों न हो संस्कार ठीक नहीं है तो सब बेकार मान लीजिये बड़ा आदमी है लेकिन रोज शराब की लत में डूबा है उसके दिमाग में यही चल रहा है कौन सा विस्की, स्कॉच, वाइन, बियर ठीक है और कितना दाम है वो दूसरों पर क्या ध्यान देगा अतः उसे शराब से प्यार है आपसे नहीं और ऐसे आदमी नशे की हालत में कुछ भी बोल सकता है जिससे आपकी प्रतिष्ठा को केवल घर तक ही नहीं मोहल्ले में सुनाएगा जिससे आपकी भारी बदनामी होगी रोज मार पिट कर रोड पर पड़ा रहेगा बताएँगे आपकी और परिवार की क्या इज्जत रहेगी सिर्फ पैसा ही सबकुछ नहीं हैं आप अपनी आय से कितना बचा लेते हैं यही आखिर आपको अंत में काम आएगा ख़र्ज करना बहुत आसान है बचाना मुश्किल जरूर है लेकिन यही आपके बुरे वक़्त में काम आएगा सीखना है तो भगवान श्री राम से सीखें.राम को वीरता, सही काम करने और एक आदर्श पुत्र और पति होने के लिए जाना जाता है ।

इसके अलावा, वह बहुत मर्यादा का पालन करना और असत्य से नहीं डरने का साहस था इसलिए वो महान वीर थे, जैसा कि सीता के पिता द्वारा शिव के धनुष को मोड़ने की चुनौती से देखा जा सकता है। वह इसे तोड़ सकते हैं।

भगवान राम विष्णु के अवतार हैं। हिंदू धर्म के कुछ संप्रदायों, जैसे वैष्णव धर्म में, विष्णु सर्वोच्च देवता हैं और उनके सभी अवतारों की पूजा की जाती है।स्वामी विवेकानंद भगवान श्री राम के ध्यान में ऐसा डूबे की उन्हें ईश्वर का साक्षात् रूप दिखा स्वामी विवेकानंद ने उन्हें ईश्वर के रूप में माना है और विभिन्न अवसरों पर अपने व्याख्यानों में श्रीराम कथा के पात्रों विशेषकर श्रीराम, माता सीता और श्रीहनुमान आदि के चरित्र का बखान करते हुए मुक्त कंठ से उनकी प्रशंसा की। 2 सितंबर 1897 को मद्रास (अब के चेन्नई) के विक्टोरिया हॉल में उन्होंने कहा था-मैं बस राम के पुल के निर्माण में उस गिलहरी की तरह बनना चाहता हूँ, जो पुल पर अपनी थोड़ी सी रेत-धूल डालकर काफी मजबूत थी।

भगवान श्री उनमें अलौकिकता एवं धीरोदत्त नायक की विशेषताएं राम में भी वे सामान्य मनुष्यो की तरह जीवन जीते है। सामान्य मनुष्यो के सामने एक आदर्श प्रस्थापित करने के लिए प्रभु जीवन जीने की राह दिखाते है। प्रभु ने ब्रह्म स्वरूप होकर भी कहीं पर भी अपनी शक्ति का प्रचलन नहीं किया। प्रभु के लिए तो हर समस्या का समाधान पल भर में मिलता है किंतु प्रभु को सामान्य मनुष्य की तरह रहने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रभु ने सर्वज्ञात होकर भी अज्ञात बनकर गुरु वशिष्ठ से ब्रह्मज्ञान प्राप्त किया तथा विश्वामित्र द्वारा भी मंत्रसिद्धियाँ प्राप्त की। पंचवटी में वे सीता की सुवर्णमृग की चमड़ी से बनी कंचुकी पहनने की चाँह सामान्य मनुष्यो की तरह पूरी करने के लिए मृग के पीछे दौड़ते है। रावण द्वारा सीताहरण होने पर वे सीता की खोज करते समय सामान्य मनुष्य की तरह विलाप करते है। ऐसा अनेक प्रसंगो मे श्रीराम के अलौकिक होते हुए भी उनके लौकिक रुप के दर्शन होते हैं.राम को भगवान विष्णु के सातवें अवतार के रूप में जाना जाता है और साथ ही रामायण में वर्णित उनके कई वीरतापूर्ण कारनामों के लिए भी जाना जाता है। हिंदू राम की निष्ठा, सदाचार, दयालुता, विनम्रता और वीरतापूर्ण कहानियों की सराहना करते हैं।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन-मनन)

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है। कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

विचार मंथन

चीन और पाकिस्तान के बीच गुप्त रक्षा संधि?

(लेखक- सनत जैन)

बुल्गारिया की रक्षा वेबसाइट मिल्ट्री.कॉम की ताजा रिपोर्ट ने भारत की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और पाकिस्तान के बीच एक गुप्त समझौते पर बातचीत चल रही है। इस समझौते के तहत चीन, पाकिस्तान को रूस निर्मित एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की तकनीकी जानकारी देगा। यह वही एस-400 प्रणाली है। जिसे भारत ने रूस से 5.43 अरब डॉलर में खरीदा था।

भारत ने इस तकनीकी से निर्मित विमान एवं सुरक्षा उपकरण चीन तथा पाकिस्तान की सीमा सुरक्षा एवं चुनौतियों से निपटने के लिए तैनात किया है। चीन को भी रूस नेएस-400 एयर डिफेंस दिया है। अगर यह जानकारी चीन द्वारा पाकिस्तान को लीक होती है। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान की वायु सेना मजबूत हो जाएगी। भारतीय वायु सेना का सुरक्षा कवच कमजोर हो जायेगा। पाकिस्तान बराबरी के मुकाबले में आकर भारत के सामने खड़ा हो जाएगा। चीन पहले से स-400 का उपयोग कर रहा है। चीन और भारत एस 400 की बेहतरी और कमजोरियों से भली-भांति परिचित हैं।

यदि चीन ने पाकिस्तान को इसकी रडार फीक्वेंसी, ब्लाइंड स्पॉट और जामिंग तकनीक की जानकारी दे दी, तो भारत के सैन्य मिशनों और रणनीतिक संतुलन के लिए भारत के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। यह मुद्दा केवल सैन्य नहीं, बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक रूप से भारत के लिए कई चुनौतियों को खड़ा करेगा। भारत रूस का परंपरागत सहयोगी रहा है। वर्तमान स्थिति में रुस, अमेरिका चीन और पश्चिमी देशों की ओर झुक रहा है। वर्तमान में चीन का झुकाव भी पाकिस्तान की ओर बढ़ा है।

भारत की सीमा चीन और पाकिस्तान से लगी हुई है। ऐसी स्थिति में चीन संतुलन बनाए रखने के लिए पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मजबूत बनाने का जो काम कर रहा है। वह भारतीय हितों को बुरी तरह से प्रभावित करने वाला है। रूस ने एस 400 को लेकर भारत के साथ किये गये समझौते की अनदेखी की, तो भारत की रक्षा नीति को गहरा आघात लगेगा। वैश्विक हथियार नीति के 'एंड यूजर एग्रीमेंट' पर सवाल खड़े होंगे। वर्तमान स्थिति में जिस तरह की हालत देखने को मिल रही है। उसमें एग्रीमेंट का कोई बहुत ज्यादा महत्व नहीं रहा। सारी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपना वजूद खो चुकी हैं। भारत सरकार को इस रिपोर्ट की गंभीरता को समझना होगा। चीन पाकिस्तान के साथ रक्षा और एस 400 को लेकर यदि कोई समझौता करता है ऐसी स्थिति में भारत को रूस से औपचारिक आपत्ति और कूटनीतिक दबाव बनाकर एस-400 की गोपनीयता सुनिश्चित करने का दबाव बनाना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो भारत के अरबों डॉलर खर्च करके जो सैन्य उपकरण खरीदे है। वह सुरक्षा व्यवस्था बेमानी साबित हो सकती है। रक्षा मामलों में चीन से भारत बहुत पीछे हैं यदि पाकिस्तान जैसे देश चीन को सहायता से रक्षा मामलों में हमारी बराबरी में आकर खड़े हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में भारत को जो चुनौतियां मिलेगी, उनकी कल्पना कर पाना आज की स्थिति में संभव नहीं है। भारत के विदेश मंत्री पहले ही कह चुके हैं चीन आर्थिक और सैन्य क्षेत्र में भारत से बहुत आगे है। हम उसका मुकाबला नहीं कर सकते हैं। यदि चीन गुप्त रूप से पाकिस्तान की मदद कर रहा है। ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा परेशानी भारत को होगी। भारत के मुकाबले चीन अपने आप को बहुत समर्थ बनाना चाहता है। वैश्विक व्यापार तथा सैन्य शक्ति में वह दुनिया के देशों में सबसे अग्रणी रहे। इसके लिए चीन की प्रतिस्पर्धा भारत के साथ हमेशा बनी रहेगी। चीन दुनिया के साम्राज्य का प्रभाव अपने वश में रखना चाहता है। भारत भी दुनिया का विश्व गुरु बनना चाहता है। चीन पीठ के पीछे से वार करने और अपनी विस्तार नीति के लिए पहचाना जाता है। ऐसी स्थिति में भारत को बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। जिस तरह की स्थिति वर्तमान में देखने को मिल रही है, उससे भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। भारत सरकार को बहुत गंभीरता के सात चिंतन मनन करते हुए वर्तमान स्थिति में अपने आप को चुनोतियों से बचाते हुए आगे बढ़ाने के मार्ग को खोजना होगा। जिस तरह 1962 में हिंदी चीनी भाई-भाई के रूप में चीन ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और भारत के साथ विश्वासघात किया था। वही हालात अब एक बार फिर देखने को मिल रहे हैं। इसलिए भारत को इतिहास से भी सबक लेने की जरूरत है।

ओरेकल फाइनेंशियल 1 शेयर पर 265 रुपये का देगी डिविडेंड

मुंबई। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड ने अपने निवेशकों को डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी ने तय किया है कि एक शेयर पर 265 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा, जिसकी समयसीमा भी तय कर दी गई है। ओरेकल के डिविडेंड के साथ कंपनी की हालत भी स्थिर है, क्योंकि इस समय उसके शेयरों की कीमतें एक महीने में 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई हैं। हालांकि, 2025 में इसके शेयरों में 31 प्रतिशत की डिप्रेशन देखने को मिली थी, लेकिन इसे पिछले साल का उछाल देखकर फिर से उत्सुकता बन सकती है। ओरेकल के शेयरों में पिछले 5 साल में 271 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि बाजार के मुकाबले काफी तेजी है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 72.59 प्रतिशत है, जिसमें वे अपनी हिस्सेदारी में कमी कर रहे हैं। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज के निवेशकों के लिए यह एक फायदेमंद घोषणा है, जिसे वे ध्यान से निहार सकते हैं और डिविडेंड योजना का लाभ उठा सकते हैं।

डिफेंस कंपनी करेगी आईडीएल एक्सप्लो सिव्स का अधिग्रहण

सोमवार को फोकस में रहेंगे शेयर, भाव 120 रुपये से कम

मुंबई। देश के डिफेंस सेक्टर में एक बड़ी और महत्वपूर्ण घटना सामने आई जिससे अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर सोमवार को तेजी से उछलेंगे। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की सब्सिडियरी अपोलो डिफेंस इंडस्ट्रीज ने आईडीएल एक्स्प्लो सिव्स को खरीदने का फैसला किया है और इसके लिए 107 करोड़ रुपये का खर्च करेगी। एक विशेष बैच के अनुरोध के बाद, 2 मई को यह डील का ऐलान किया गया है। प्रक्रिया के पूरा होने में 2 महीने का समय लग सकता है। इस डील के माध्यम से अपोलो माइक्रो सिस्टम्स ने उत्पादन क्षमता में वृद्धि की उम्मीद दिखाई और घरेलू डिमांड के साथ एक बड़ी डील की घोषणा की। यह अधिग्रहण से अपोलो ग्रुप की डिफेंस सेक्टर में मजबूती और स्थिति को बढ़ावा मिलेगा।

चीन की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के टैरिफ का पड़ा असर

उत्पादन और तांबा भंडार घटा

नई दिल्ली। चीन की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के टैरिफ का पड़ा असर दिखने लगा है। वर्षों से जारी व्यापार युद्ध के बीच पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ ने चीन की औद्योगिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। चीन की औद्योगिक सेहत को मापने वाले पीएमआई अप्रैल 2025 में 49 पर आ गया है, जो मार्च में 50.5 था। यह संकेत देता है कि अमेरिकी टैरिफ चीन की अर्थव्यवस्था पर भारा है। चीन के तांबे के भंडार की कमी और नए संभावित टैरिफ के भय से उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का तांबा जून तक खत्म हो सकता है। चीन ने किसी अमेरिकी उत्पादों को टैरिफ से मुक्त करने की योजना बनाई है, जिसमें दवाइयां, सेमीकंडक्टर चिप्स और एयरक्राफ्ट इंजन शामिल हैं। अर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 3.5त्र तक सिमट सकती है, जो पिछले वर्षों की तुलना में बेहद कम है। उद्योगों में अन्याय से लड़ने के लिए चीन ने सख्त कदम उठाने की योजना बनाई है।

जनरल स्टोर्स की दुकानों पर मिलेगी जरूरी दवाईयां

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जनरल स्टोर से दवाइयों की बिक्री को जल्द ही मंजूरी दे सकती है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन के ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने,कमेटी से जो अनुशंसा प्राप्त हुई थी, उसे मान लिया है। कमेटी की अनुशंसा के अनुसार बिना लाइसेंस के भी अब जनरल स्टोर्स के माध्यम से ओटीसी के तहत आने वाले दवाओं की बिक्री जनरल स्टोर्स के माध्यम से हो सकेगी। इसमें फार्मासिस्ट की जरूरत नहीं होगी। सरकार के इस फैसले का विरोध ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट द्वारा किया जा रहा है। ऑर्गेनाइजेशन का कहना है, यदि सरकार ने यह निर्णय लिया,तो देश के 12 लाख केमिस्ट निर्णय के खिलाफ देशभर में आंदोलन करेंगे।

हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में अचानक दर्ज की गई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली।

अप्रैल 2025 में हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में अचानक बड़ी गिरावट देखी गई। कंपनी ने अप्रैल 2025 में महज 3,05,406 यूनिट मोटरसाइकिल की बिक्री की, जबकि एक साल पहले यानी अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 5,33,585 यूनिट था।

इस दौरान सालाना आधार पर हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में 42.76प्रतिशत की गिरावट आई है। मासिक आधार पर भी कंपनी की बिक्री में 44.43प्रतिशत की गिरावट आई है। हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में इस गिरावट का मुख्य कारण मोटरसाइकिल और स्कूटर दोनों श्रेणियों में बिक्री में आई कमी है।

अप्रैल 2025 में कंपनी ने कुल 2,86,089 यूनिट मोटरसाइकिल की बिक्री की, जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा 4,96,542 यूनिट था, जो कि 42.38प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इस दौरान कंपनी की कुल बिक्री में मोटरसाइकिल का हिस्सा 93.67प्रतिशत रहा। वहीं, स्कूटर की बिक्री में भी भारी गिरावट आई है। बीते महीने, हीरो ने केवल 19,317 यूनिट स्कूटर बेचे, जबकि अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 37,043 यूनिट था, जो कि 47.79प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसके अलावा, कंपनी ने 16,882 यूनिट टू-व्हीलर का एक्सपोर्ट भी किया, लेकिन इस दौरान एक्सपोर्ट में सालाना आधार पर 16.79 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

हीरो मोटोकॉर्प की यह गिरावट आने वाले महीनों में कंपनी की बिक्री रणनीतियों पर प्रभाव डाल सकती है।

रिजर्व बैंक रुपये में व्यापार की सुविधा देने वाले बैंकों की सूची सार्वजनिक करेः आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय निर्यात संगठनों के लिए एक नया द्वार खोलने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से महासंघ फियो ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके माध्यम से एसआरवीए की पेशकश करने वाले बैंकों के बारे में जानकारी को साझा करने का आग्रह किया गया है। इस नई प्रणाली के माध्यम से व्यापारिक क्रियाकलापों को सरल बनाने और विदेशी मुद्रा में बचत करने का मामूला बदलाव संभव है। फियो के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने इस नई पहल के महत्व को बताते हुए कहा कि जागरूकता की कमी के कारण इस प्रणाली का इस्तेमाल अभी सीमित है। उन्होंने केंद्रीय बैंक को इसे सार्वजनिक करने की सलाह भी दी। इसके साथ ही, उन्होंने बैंकों द्वारा ऋण प्रोसेस में आवश्यक सुधार की भी मांग की। इस पहल के बाद यह स्पष्ट है कि निर्यातकों के लिए उधार लेना और द्विपक्षीय व्यापार में भाग लेना अब सरल हो सकता है। आरबीआई द्वारा देश में काम करने वाले बैंकों को इस प्रक्रिया में सहायता प्रदान करने के प्रयासों का स्वागत है। यह सहूलियत और रफ्तार प्रदान कर सकता है, जो भारतीय निर्यातकों और आयातकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वित्त वर्ष 2025 में एसबीआई का परिचालन लाभ 1.10 लाख करोड़ के पार

सालाना आधार पर परिचालन लाभ 8.83 प्रतिशत बढ़कर 31,286 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 में चौथी तिमाही में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने परिणामों को घोषित करते हुए देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में अच्छे नतीजे प्रस्तुत किए हैं। सालाना आधार पर परिचालन लाभ में 8.83 प्रतिशत बढ़ गया और यह 31,286 करोड़ रुपए रहा। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुनाफा में 16.08 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई और इसने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त किया। एसबीआई ने वित्तीय परिणामों में वृद्धि की जानकारी शनिवार को दी, जिसमें बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बड़े अंकों में उत्तरदायित्व का लक्ष्य पार करने के संकल्प का व्यक्त किया। चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीएटी) में भी वृद्धि हुई और यह 20,698 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा स्लिपेज अनुपात में भी सुधार हुआ है, जिससे बैंक के अनुपात में सुधार की दिशा में कदम बढ़ा है। एसबीआई के निदेशक मंडल ने बैंक के हिस्सेदारों के लिए अच्छे खबर दी है, जिसमें प्रति शेयर 15.9 रुपए का लाभांश घोषित किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बैंक का आरओए और आरओई क्रमशः 1.10 प्रतिशत और 19.87 प्रतिशत रहा। इसके अलावा बैंक के एसएमई एडवांस और एग्री एडवांस में भी वृद्धि हुई है, जिससे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्लिपेज अनुपात में सुधार दर्शाया गया है। बैंक ने डिजिटल रूप से अधिग्रहित होने की भी बात की है, जिसमें वैकल्पिक चैनलों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से सात कंपनियों का मार्केट कैप 2.31 लाख करोड़ बढ़ा

रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में रही

मुंबई।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2.31 लाख करोड़ रुपये (2,31,177.3 करोड़ रुपये) की बढ़ोतरी हुई। घरेलू शेयर बाजार में सुधार के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। गुरुवार को 'महाराष्ट्र दिवस' के मौके पर शेयर बाजार बंद रहे थे। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 1,64,959.62 करोड़ रुपये बढ़कर 19,24,235.76 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का मूल्यांकन 20,755.67 करोड़ रुपये बढ़कर 10,56,029.91 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 19,381.9 करोड़ रुपये बढ़कर 10,20,200.69 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,514.78 करोड़ रुपये बढ़कर 14,73,356.95 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का 10,902.31 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,25,668.37 करोड़ रुपये, आईटीसी की बाजार हैसियत 2,502.82 करोड़ रुपये बढ़कर 5,38,294.86 करोड़ रुपये और एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 1,160.2 करोड़ रुपये बढ़कर 7,14,014.23 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के विपरीत

बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 15,470.5 करोड़ रुपये घटकर 5,50,726.80 करोड़ रुपये रह गई।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 1,985.41 करोड़ रुपये घटकर 5,45,845.29 करोड़ रुपये पर आ गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 1,284.42 करोड़ रुपये घटकर 12,45,996.98 करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

विंडसर ईवी के नए वेरिएंट की टेस्टिंग प्रारंभ, आई तस्वीरें

नई दिल्ली।

अपनी पॉपुलर इलेक्ट्रिक एसयूवी विंडसर ईवी के बड़े बैटरी पैक वाले वेरिएंट पर एमजी मोटर इंडिया काम कर रही है। इस नए वेरिएंट की टेस्टिंग भी कंपनी ने शुरू कर दी है। इसकी टेस्टिंग के दौरान तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में देखा गया कि इस नए वेरिएंट में पीछे की तरफ अडास बैज और फ्रंट विंडशील्ड पर एक रडार मौजूद है, जो कि इसके ऑटोनोमस ड्राइविंग फीचर्स की पुष्टि करता है। नई विंडसर ईवी का लंबा रेंज वेरिएंट 50.3 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक लेकर आएगा, जिसे पहले झेडएस ईवी में देखा गया है और यह 460 किमी की रेंज देता है। इस नए वेरिएंट में वी2एल (व्हीकल टू लोड) फीचर की शुरुआत की जा सकती है, जो इसे भारतीय बाजार में टाटा नेक्सन ईवी के मुकाबले एक मजबूत विकल्प बना सकता है। इसमें लेवल 2 अडास सुइट शामिल होने की संभावना है, जिसमें एडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, और इंटेलिजेंट हाई बीम असिस्ट जैसे एडवांस्ड फीचर्स मिलेंगे। इसके अलावा, विंडसर ईवी के स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम, 360 डिग्री कैमरा और इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक शामिल होंगे। एमजी विंडसर ईवी में कई हाई-एंड फीचर्स भी होंगे जैसे 18-इंच डायमंड कट

एलॉय व्हील, स्मार्ट फ्लश डोर हैंडल, पैनोरमिक ग्लास रूफ, और 15.6-इंच ग्रैंड व्यू टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम।

भारत की उदार एफडीआई नीति वैश्विक निवेशकों को देती है बड़ा अवसर:परामर्शक कंपनी

नई दिल्ली।

भारत की उदार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति ऐसे वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश के अवसर उपलब्ध कराती करती है। एक परामर्शक कंपनी ने रविवार को यह बात कही है। कंपनी ने कहा कि फार्मास्युटिकल्स, वाहन और पर्यटन जैसे क्षेत्र न केवल एफडीआई के लिए आकर्षण का केंद्र हैं, बल्कि रोजगार, निर्यात और नवोन्मेषण के इंजन भी हैं, जो भारत की वृद्धि की अगली लहर को गति दे रहे हैं। भारत ने बीमा, बीमा मध्यस्थ, पर्यटन निर्माण, अस्पताल और चिकित्सा उपकरण जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित अधिकांश क्षेत्रों में स्वतः मंजूर मार्ग के तहत 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर महत्वपूर्ण प्रगति की है। कंपनी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि यह कदम न केवल खुलेपन बल्कि स्थिरता का संकेत देता है, जो वैश्विक निवेशकों को भारत की विशाल और बढ़ती अर्थव्यवस्था में उतरने के लिए एक अनुकूल अवसर प्रदान करता है। उन्होंने यह भी कहा कि 70 अरब अमेरिकी डॉलर की राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन और 100 से अधिक शहरों में औद्योगिक गलियारे के विकास के समर्थन से, भारत वैश्विक निवेशकों को निवेश के लिए तैयार (प्लग-एंड-प्ले) क्षेत्र प्रदान कर रहा है।

देश में डीजल की मांग अप्रैल में चार प्रतिशत बढ़ी

31 मार्च, 2024 को डीजल की मांग में सिर्फ दो प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी

नई दिल्ली।

देश में डीजल की मांग में अप्रैल में करीब चार प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। कई माह की नकारात्मक या कम वृद्धि के बाद अप्रैल में गर्मियों की शुरुआत के साथ डीजल की खपत बढ़ी है। डीजल देश में सबसे ज्यादा उपभोग किया जाने वाला ईंधन है। डीजल, देश में सबसे अधिक उपभोगित ईंधन है, इसलिए इस मांग की बढ़ोतरी का अर्थिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों पर बड़ा प्रभाव हो सकता है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में, डीजल की मांग में सिर्फ दो प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी। इसके मुकाबले, अप्रैल में डीजल की खपत में 82.3 लाख टन की बढ़ोतरी हुई, जो एक साल पहले की समयावधि से लगभग चार प्रतिशत अधिक है। यह कोविड-पूर्व की अवधि यानी 2019 से तुलना में डीजल की खपत में 10.45 प्रतिशत की वृद्धि है। गर्मियों की शुरुआत के साथ, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डीजल की मांग बढ़ गई है। अप्रैल, 2025 में डीजल की मांग में चार प्रतिशत की वृद्धि, जो इस महीने के लिए दर्ज की गई सबसे ऊंची मात्रा है। उद्योग के अधिकारी बता रहे हैं कि पिछले कुछ महीनों में डीजल की मांग में सुस्ती रही है, लेकिन अब वृद्धि के साथ इसकी मांग बढ़ गई है।

इसके बावजूद देश में कुल पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में डीजल का हिस्सा करीब 38 प्रतिशत है। अधिकारियों के अनुसार, डीजल की मांग में कोविड-पूर्व की अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है और अगले कुछ साल तक डीजल की मांग समायोजित रूप से बढ़ती रहने की संभावना है। अप्रैल, 2025 में पेट्रोल की खपत में भी वृद्धि हुई है, जो इस समयावधि में 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। इसे पिछले साल चुनाव प्रचार के कारण 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तुलना की जा सकती है।

घरेलू रसोई गैस की खपत में भी लगभग पांच महीनों के बराबर की वृद्धि हुई है, जबकि विमान ईंधन एविएशन टर्बाइन फ्यूल की खपत में वृद्धि घटकर 3.25 प्रतिशत रही है।

अप्रैल में एटीएफ की कुल मांग 7,66,000 टन रही। इससे पहले से बढ़ते उपभोग से पेट्रोल, सीएनजी, और बिजली का उपयोग बढ़ता जा रहा है, हालांकि डीजल के उपभोग में भी बढ़ोतरी हुई है। आगे के वर्षों में देश में डीजल की मांग में और वृद्धि की संभावना है।

वित्त वर्ष 2025 में एसबीआई का परिचालन लाभ 1.10 लाख करोड़ के पार

सालाना आधार पर परिचालन लाभ 8.83 प्रतिशत बढ़कर 31,286 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 में चौथी तिमाही में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने परिणामों को घोषित करते हुए देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में अच्छे नतीजे प्रस्तुत किए हैं। सालाना आधार पर परिचालन लाभ में 8.83 प्रतिशत बढ़ गया और यह 31,286 करोड़ रुपए रहा। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुनाफा में 16.08 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई और इसने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त किया। एसबीआई ने वित्तीय परिणामों में वृद्धि की जानकारी शनिवार को दी, जिसमें बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बड़े अंकों में उत्तरदायित्व का लक्ष्य पार करने के संकल्प का व्यक्त किया। चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीएटी) में भी वृद्धि हुई और यह 20,698 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा स्लिपेज अनुपात में भी सुधार हुआ है, जिससे बैंक के अनुपात में सुधार की दिशा में कदम बढ़ा है। एसबीआई के निदेशक मंडल ने बैंक के हिस्सेदारों के लिए अच्छे खबर दी है, जिसमें प्रति शेयर 15.9 रुपए का लाभांश घोषित किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बैंक का आरओए और आरओई क्रमशः 1.10 प्रतिशत और 19.87 प्रतिशत रहा। इसके अलावा बैंक के एसएमई एडवांस और एग्री एडवांस में भी वृद्धि हुई है, जिससे वित्त वर्ष 2024-25 के

लिए स्लिपेज अनुपात में सुधार दर्शाया गया है। बैंक ने डिजिटल रूप से अधिग्रहित होने की भी बात की है, जिसमें वैकल्पिक चैनलों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

रेनो बोरियल को पहले ग्लोबल मार्केट में लॉन्च किया जाएगा

नई दिल्ली।

हाल ही में रेनो ने रेनो बोरियल एसयूवी के टीज़र को जारी किया, जिससे इसके डिज़ाइन और अन्य फीचर्स का भी पता चला है। यह एसयूवी रेनो की सिस्टर कंपनी डेसिया द्वारा पेश की गई बिगस्टर के समान है, जो डस्टर का 7-सीटर वर्जन है। कहा जा रहा है कि रेनो बोरियल को पहले ग्लोबल मार्केट में लॉन्च किया जाएगा, और भारत में इसे 2026 की शुरुआत में पेश किया जा सकता है। रेनो बोरियल का डिज़ाइन और फीचर्स डस्टर के समान होंगे, लेकिन इसे लंबा और ज्यादा प्रीमियम बनाने के लिए कुछ बदलाव किए जाएंगे। इसमें बड़ी व्हील्ज और बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस होगी, जो इसे ऑफ-रोडिंग के लिए उपयुक्त बनाएगी। ग्लोबल मार्केट में रेनो बोरियल की ग्राउंड क्लीयरेंस 220 मिमी है। अंदर की तरफ पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, अडास, 10-इंच इंफोटेनमेंट, डिजिटल इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर और मल्टी-टेरेन मोड्स के साथ एडब्ल्यूडी सिस्टम जैसे फीचर्स होंगे। इसके पावरट्रेन के बारे में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि यह डस्टर के समान इंजन विकल्पों के साथ आएगा। इनमें 1.6-लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन होगा, जो दो इलेक्ट्रिक मोटर्स के साथ आएगा और शहर के ट्रैफिक में 80 प्रतिशत समय तक इलेक्ट्रिक मोड में चल सकता है।

इसके अलावा, 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन भी होगा, जो माइल्ड हाइब्रिड तकनीक के साथ 130 बीएचपी पावर जनरेट करेगा।

सरसों तेल, सोयाबीन तिलहन को छोड़कर अन्य तेल-तिलहन गिरावट के साथ बंद

कच्चे पामतेल का 1,110-1,115 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,055-1,160 डॉलर प्रति टन हुआ

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों तेल और सोयाबीन तिलहन को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि जिस कच्चे पामतेल (सीपीओ) का दाम पहले 1,110-1,115 डॉलर प्रति टन था, बीते सप्ताह वह घटकर 1,055-1,160 डॉलर प्रति टन रह गया। इसी प्रकार, सोयाबीन डीगम का जो दाम पहले 1,115-1,120 डॉलर प्रति टन था वह बीते सप्ताह घटकर 1,090-1,095 डॉलर प्रति टन रह गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि देश में मूंगफली, सोयाबीन की बिजाई का समय निकट आने के साथ सहकारी संस्था नेफेड द्वारा इन दोनों फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम हाजिर दाम पर की जा रही बिकवाली की वजह से तेल तिलहन में गिरावट रही। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 6,275-6,375 रुपये प्रति क्विंटल पर, जबकि सरसों दादरी तेल का थोक भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 13,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,360-2,460 रुपये और 2,360-2,485 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। एक ओर जहां सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 4,475-4,525 रुपये और 4,175-4,225 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 450 रुपये, 400 रुपये और 350 रुपये घटकर क्रमशः 13,050 रुपये, 12,950 रुपये और 9,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 5,625-6,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 250 और 25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 13,900 रुपये क्विंटल और 2,220-2,520 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। विदेशों में दाम टूटने के बीच, कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 650 रुपये की गिरावट के साथ 11,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 550 रुपये की गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 500 रुपये की गिरावट के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 500 रुपये टूटकर 12,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही भक्त कर रहे दर्शन

तीन चाबियों से खुलते हैं कपाट खोलने के लिए गेट पर लगे ताले

बदरीनाथ।

गंगोत्री-यमुनोत्री, केदारनाथ धाम के बाद 4 मई को बदरीनाथ धाम के कपाट भी दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोलने पर गेट पर लगे ताले को तीन चाबियों से खोला जाता है। बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोलने पर द्वार पर लगे ताले को तीन चाबियों से खोला जाता है। एक चाबी से ताला टिहरी राजपरिवार का प्रतिनिधि खोलता है। यह चाबी बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति की होती है। दूसरी चाबी बदरीनाथ मंदिर के हक हकूकधारी बामणी गांव के भंडारी थोक और तीसरी चाबी हक हकूक धारी बामणी गांव के मेहता थोक के पास होती है। बदरीनाथ के कपाट खुलने पर सबसे पहले मंदिर के गर्भ गृह में बदरीनाथ के रावल प्रवेश करते हैं। भगवान को दंडवत प्रणाम कर आज्ञा लेकर कर सबसे पहले वह ऊनी वस्त्र कम्बल जो कपाट बंद होने के समय भगवान को पहनाया गया था। उसे अनुरोध पूर्वक रावल जी उतारते हैं। भगवान के विग्रह से प्राप्त इस घृत कम्बल के एक एक रेशे को प्रसाद के रूप में प्राप्त करना श्रद्धालु अपना सौभाग्य मानते हैं। बदरीनाथ मंदिर के पूर्व धर्माधिकारी पंडित भुवन उनियाल कहते हैं यह आस्था और मान्यता अनादि काल से चली आ रही है।इस मौके पर यूपी के नोएडा, सहारनपुर, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, रामपुर, कानपुर, समेत दिल्ली-हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों से भारी संख्या में तीर्थ यात्री मौजूद रहे। विदित हो कि गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के कपाट 28 अप्रैल को खुल गए हैं, जबकि केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को दर्शनार्थ खोले जा चुके हैं। देश के कई राज्यों से उत्तराखंड चारधाम यात्रा में दर्शन करने वाले भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली रही है। बदरीनाथ के कपाट खुलने से पहले धाम को 25 क्विंटल फूलों से सजाया गया था। इसी के साथ ही आकर्षक लाइटें भी लगाई गईं थीं। आपको जानकार यह आश्चर्य होगा कि पिछले 20 सालों से एक ही परिवार धाम की फूलों से सजावट करता है। उत्तराखंड के ऋषिकेश में रहने वाला एक गुमनाम परिवार धाम की फूलों से सजावट करता है। भारत के चार धामों में एक बदरीनाथ धाम की विशेषता के बारे में बताते हुए बदरीनाथ मंदिर के पूर्व धर्माधिकारी पंडित भुवन उनियाल बताते हैं कि बदरीनाथ धाम चारों युगों में प्रख्यात हैं। इसे सतयुग में मुक्ति प्रदा, त्रेता में योगसिद्धिदा, द्वापर में विशाला और कलियुग में बदरिकाश्रम बदरीनाथ धाम नाम से जाना जाता है। बता दें कि तीर्थ यात्री ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन मोड से यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। उत्तराखंड के हरिद्वार, विकासनगर सहित यात्रा रूट पर ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए काउंटर खोले गए हैं। उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर जाने से पहले तीर्थ यात्रियों के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य किया गया है।

भगवान नारायण करते थे अभिषेक

बदरीनाथ के कपाट खुलते ही यहां मानवों द्वारा भगवान नारायण बदरी विशाल का नित्य अभिषेक, पूजन दर्शन और अर्चना शुरू हो जाती है। बदरीनाथ मंदिर के धर्माधिकारी पंडित राधाकृष्ण थपलियाल

बताते हैं कि बदरीनाथ के कपाट बंद होने पर शीतकाल में 6 माह तक देवता भगवान बदरी विशाल के दर्शन पूजन अर्चना करते हैं।उस अवधि में देवर्षि नारद भगवान के मुख्य पुजारी होते हैं। कपाट खुलने पर मानव भगवान के दर्शन पूजन अर्चना करते हैं। दक्षिण भारत के केरल प्रांत के नम्बूदरी ब्राह्मण रावल मुख्य पुजारी होते हैं। उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर जाने से पहले सरकार की ओर से श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य किया गया है।

पहलगाम हमले कीप्रारंभिक रिपोर्ट जल्द केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपेगी एनआईए

श्रीनगर।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) 22 अप्रैल को बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपने की तैयारी कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट बहुत जल्द एमएचए को सौंपी जाएगी।

एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते की देखरेख में संकलित रिपोर्ट सबूतों पर आधारित है। इसमें करीब 150 गवाहों की गवाही, अपराध स्थल का 3डी रीक्रिएशन और साइट पर एकत्र कारतूसों का बैलिस्टिक विश्लेषण शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट बहुत जल्द एमएचए को सौंपी दी जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह सीमा पार से समन्वय के साथ एक सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध हमला था। बेतताब घाटी में हथियार पहले से ही तैनात थे और क्षेत्र में ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) ने हमलावरों को निगरानी और आश्रय सहित रसद सहायता प्रदान की। अधिकारियों ने कहा कि हमलावरों ने ऑपरेशन के दौरान पीओके में अपने आकाओं के साथ सक्रिय कम्युनिकेशन बनाए रखा और माना जाता है कि वे अभी भी दक्षिण कश्मीर के कुछ हिस्सों में सक्रिय हैं। इतना ही नहीं एनआईए ने संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर्स की सूची तैयार की है और उनके नेटवर्क को खत्म करने के लिए लक्षित कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की तैयारी जारी है। एनआईए के डीजी दाते ने सप्ताह व्यक्तिगत रूप से स्थिति का आकलन करने के लिए बैसरन साइट का दौरा किया। फोरेंसिक विशेषज्ञों द्वारा समर्थित कई एनआईए टीमें सबूतों की तलाश और गवाहों से पूछताछ के लिए साइट की छानबीन कर रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की सहायता के लिए एक महानिरीक्षक के नेतृत्व में एनआईए की एक वरिष्ठ टीम पहलगाम में तैनात है। एक उप महानिरीक्षक और एक पुलिस अधीक्षक भी जांच पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। घटनाओं के पूरे सिलसिले को एक साथ जोड़ने के लिए एजेंसी ने बचे हुए लोगों के बयान कलेक्ट करने के लिए देश भर में अतिरिक्त टीमें भी भेजी थीं, जिन लोगों से पूछताछ की गई, उनमें कई टट्टू संचालक शामिल हैं जो घटनास्थल पर मौजूद थे, साथ ही एक फोटोग्राफर भी शामिल है जिसे मुख्य चश्मदीद माना जाता है।

पर्सनल लॉ बोर्ड ने हलफनामे में कहा- सभी वक्फ संपत्तियां 2013 में रजिस्टर हुईं

केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में गलत डेटा पेश करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने केंद्र पर वक्फ मामले में सुप्रीम कोर्ट में गलत डेटा पेश करने का आरोप लगाया है। बोर्ड ने 1 मई को सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में कहा कि पोर्टल पर दिख रही सभी प्रॉपर्टियां 2013 में ही रजिस्टर हुई थीं। केंद्र के हलफनामे में यह बात न होने पर बोर्ड ने इसे झूठा हलफनामा बताया है। साथ ही अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की ओर से हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है। केंद्र ने 25 अप्रैल को अपने हलफनामे में कहा था कि 2013 तक कुल वक्फ प्रॉपर्टी 18 लाख 29 हजार 163.896 एकड़ थी। 2014 से 2025 के 11 साल यह 20 लाख 92 हजार 72.563 एकड़ 116 फीसदी बढ़ गई यानी 2025 में कुल वक्फ प्रॉपर्टी 39 लाख एकड़ से ज्यादा हो गई। मामले में 5 मई को सुनवाई होना है। बोर्ड ने केंद्र के हलफनामें को संदिग्ध बताया बोर्ड ने कहा कि केंद्र अपने हलफनामे में कह रहा है कि 2013 से पहले रजिस्टर्ड सभी वक्फ प्रॉपर्टियां वक्फ मैनेजमेंट पोर्टल के चालू होते ही तुरंत अपलोड कर दी गई थीं। हलफनामे के 2013 में वक्फ प्रॉपर्टियां वाले कॉलम में प्रॉपर्टियों की संख्या को ही रजिस्टर्ड संपत्तियां कहना शरारत भरा है। ऐसा लगता है कि हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी ने जानबूझकर यह नहीं बताया कि सभी प्रॉपर्टियों को 2013 में ही पोर्टल पर अपलोड किया गया था। हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी को यह बताना चाहिए कि पोर्टल पर दिख रही सभी प्रॉपर्टियां 2013 में ही रजिस्टर हुई। हलफनामे में यह

अहम पहलू गायब है, इसलिए यह संदिग्ध है। बोर्ड ने अपने हलफनामे में कहा कि केंद्र कानून में कलेक्टर की शक्तियों के बारे में चुप है जबकि रजिस्ट्रेशन के महत्व पर 50 से ज्यादा पैराग्राफ हैं। इसके बावजूद केंद्र ने यह साफ नहीं किया कि नए कानून में वक्फ बाय यूजर के कॉन्सेप्ट को हटाने की जरूरत क्यों पड़ी जबकि 1995 के वक्फ कानून की धारा 36 के तहत रजिस्ट्रेशन करना पहले से ही जरूरी है।

दिल्ली के प्रदूषण से चिंतित उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले- बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सांस नहीं ले पा रहे

नई दिल्ली।

देश की राजधानी दिल्ली समेत कई महानगरों में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने ब्रोंकोन 2025 कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में शनिवार को कहा कि अब समय आ गया है कि हम सिर्फ अपने फेफड़ों की ही नहीं, शहरों के फेफड़ों की भी चिंता करें। उन्होंने चेताया कि बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सांसें घुट रही हैं और यह सिर्फ तकनीक से नहीं, बल्कि सोच और नीति से ही बदला जा सकता है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि विकास का मतलब अंधाधुंध निर्माण नहीं होना चाहिए, बल्कि सिस्टमेटिक और सतत विकास ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने पराली जलाने और औद्योगिक प्रदूषण को इसके मुख्य कारणों में गिनाया और कहा कि जिला स्तर पर मेडिकल सुविधाएं बढ़ानी होंगी। उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि एयर प्यूरीफायर कोई स्थायी समाधान नहीं हैं। हम तकनीक पर बहुत निर्भर हो चुके हैं, लेकिन हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा। उन्होंने कहा, कि योग, आयुर्वेद और परंपरागत भारतीय ज्ञान समाधान का हिस्सा है।

इसके साथ ही उन्होंने पब्लिक ट्रांसपोर्ट को प्राथमिकता देने और जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने की अपील की।

नीट पेपर लीक की डील 40 लाख में, राजस्थान एसओजी ने गुरुग्राम से किया तीन लोगों को गिरफ्तार

जयपुर।

देशभर में 4 मई 2025 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा से पहले पेपर लीक की ठगी की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने इस संबंध में तीन आरोपियों को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर एक नीट उम्मीदवार और उसके परिवार से 40 लाख रुपये की ठगी की कोशिश का आरोप है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बलवान (27), मुकेश मीणा (40), और हरदास (38) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, इन लोगों ने छात्र के परिवार को झांसा दिया कि उनके पास नीट-यूजी का असली पेपर है। शुक्रवार को आरोपी छात्र और उसके परिवार को हरियाणा के गुरुग्राम ले गए और पेपर दिखाने

से पहले 40 लाख की मांग की। परिवार को शक हुआ और उन्होंने तुरंत एसओजी को सूचित किया, जिसके बाद शनिवार को तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

एनटीए भी हुआ सतर्क, 106 टेलीग्राम और 16 इंस्टाग्राम चैनल चिह्नित

इससे पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने फर्जी सूचनाओं से निपटने के लिए 26 अप्रैल को एक विशेष पोर्टल लॉन्च किया था, जिसमें अब तक 1500 से अधिक संदिग्ध रिपोर्टें मिली हैं। इनमें से अधिकांश टेलीग्राम से जुड़ी हैं। एनटीए ने 106 टेलीग्राम और 16 इंस्टाग्राम चैनलों की पहचान की है जो नीट पेपर लीक का झूठा दावा कर छात्रों को गुमराह कर रहे थे। इन चैनलों को हटाने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

साइबर ठगों पर शिकंजा

इन फर्जी चैनलों के खिलाफ अब गृह मंत्रालय के साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर भी सक्रिय हो गया है। एजेंसियां लगातार सोशल मीडिया की निगरानी कर रही हैं ताकि छात्रों को ऐसी ठगी से बचाया जा सके।

रूस ने दिए भारत को अत्याधुनिक इग्ला-एस एयर डिफेंस मिसाइल, दुश्मन के ड्रोन-हेलिकॉप्टर भी अब नहीं बच सकेंगे

नई दिल्ली।

भारत की वायु रक्षा प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाते हुए भारतीय सेना को रूस से अत्याधुनिक इग्ला-एस एयर डिफेंस मिसाइलें प्राप्त हुई हैं। 250 करोड़ रुपये के विशेष रक्षा सौदे के तहत प्राप्त ये मिसाइलें अब अग्रिम मोर्चों पर तैनात की जा रही हैं, जिससे पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों से उत्पन्न खतरे का त्वरित और सटीक जवाब दिया जा सकेगा।

इस समझौते को सेना की तत्काल परिचालन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अंजाम दिया गया है। सेना सूत्रों के अनुसार, इग्ला-एस मिसाइल प्रणाली विशेष रूप से लड़ाकू विमान, अटैक हेलिकॉप्टर और ड्रोन को नजदीकी दूरी से निशाना बनाने में सक्षम है। यह मिसाइल प्रणाली पाकिस्तान सीमा पर भारतीय सेना की वायु सुरक्षा को कई गुना मजबूत करेगी।

कंधे से दागी जाने वाली बेहद घातक मिसाइल

इग्ला-एस मिसाइल एक सैनिक द्वारा कंधे से दागी जा सकती है। इसकी इंटरसेप्शन रेंज 6 किलोमीटर तक है और यह अधिकतम 11,000 फीट की ऊंचाई तक अपने लक्ष्य को भेद सकती है। 10.8 किलोग्राम वजनी यह मिसाइल 2266 किमी/घंटा की रफ्तार से उड़ान भरती है।

इसका पूरा सिस्टम 18 किलोग्राम वजनी होता है और इसकी नोक पर 1.17 किलोग्राम का विस्फोटक लगा होता है, जो टारगेट को पूरी तरह तबाह कर देता है।

वायुसेना को भी मिलेगा फायदा

रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, वायुसेना ने भी इस प्रणाली के लिए अलग से अनुबंध किया है, जिससे देश की वायुसीमा को बहुस्तरीय सुरक्षा मिल सकेगी।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ड्रोन और हवाई हमलों की आशंका पाकिस्तान और चीन दोनों ओर से बढ़ रही है।

पुरानी प्रणाली को मिलेगी नई ताकत

सेना और वायुसेना दोनों के पास पहले से मौजूद इग्ला-1एम प्रणाली 1989 से सेवा में है, लेकिन इग्ला-एस उसका कहीं अधिक उन्नत और सटीक संस्करण है।

यह नया सिस्टम लॉक एंड फायर तकनीक पर काम करता है, जिससे टारगेट एक बार लॉक हो जाने के बाद उसका बचना मुश्किल हो जाता है।

भारत और अमेरिका में सुबह-सुबह आया भूकंप, नुकसान की खबर नहीं

नई दिल्ली।

अमेरिका और भारत के कई हिस्सों में रविवार सुबह भूकंप के झटके लगे। हालांकि अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, बार-बार आ रहे भूकंपों ने लोगों में डर का माहौल है। अमेरिका में सबसे पहले रविवार सुबह 7.17 मिनट पर तेज भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई। यह भूकंप न्यू मैक्सिको के कार्लसबाद शहर से करीब 89 किलोमीटर दूर व्हाइट सिटी में केंद्रित था।

भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 7.5 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। इस भूकंप से किसी भी प्रकार के जान-माल की हानि की खबर नहीं है। बता दें अभी कुछ दिन पहले ही म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंपों और इंडोनेशिया, अर्जेंटीना व चिली में 6 से 7 तीव्रता के झटकों के बाद भूकंप ने लोगों में दहशत पैदा कर दिया थी। अमेरिका में भूकंप आने के बाद लोग डर से अपने घरों से बाहर निकल आए और कई घंटों तक सड़कों पर ही घूमते रहे। एक सर्वे ने इस भूकंप की पुष्टि की है। भारत में भी रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। राजस्थान के झुंझुनूं में सुबह करीब 9.30 मिनट पर लोगों ने हल्के भूकंप के झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.1 दर्ज की गई। झटके हल्के लगने के बावजूद लोगों ने उन्हें महसूस किया और अपने घरों से बाहर आ गए।

यहां भी किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। इस भूकंप का केंद्र जमीन के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई पर था। राजस्थान से पहले मेघालय में भी रविवार सुबह करीब 7.56 मिनट पर भूकंप के झटके लगे। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.6 थी। भूकंप का केंद्र गारो हिल्स के उत्तर में 10 किलोमीटर की गहराई में था।

यहां भी किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। बता दें बीती रात मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए थे। रात करीब 9.40 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 थी। इसका केंद्र जमीन की सतह से 5 किलोमीटर नीचे था। इस भूकंप से भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन लोगों ने अपने घरों के दरवाजे और पंखों को हिलते देखा था।

भारत की सफल कूटनीति का परिणाम है रूस से यारी, बग खूब फायदा उठा रहा इंडिया

नई दिल्ली।

पिछले महीने, यानी अप्रैल में तो भारत ने रूस से रिकॉर्ड 1.92 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात किया। यह पिछले नौ महीनों का उच्चतम स्तर है। रूस के कच्चे तेल की कीमत कम रहने और मॉस्को की ओर से निर्यात के लिए पर्याप्त तेल उपलब्ध कराने से भारत को यह फायदा मिला है। रूस के साथ अब अमेरिका से भी भारत खूब कच्चा तेल खरीद रहा है। अप्रैल में अमेरिकी से कच्चे तेल का आयात भी आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका और यूरोप के लाख मना करने के बावजूद भी भारत ने रूस से तेल आयात करना जारी रखा। यह सिलसिला अब तक चालू है। रिपोर्ट के अनुसार केपलर के वरिष्ठ विश्लेषक के मुताबिक रूसी क्रूड अब भी पश्चिम अफ्रीकी और खाड़ी देशों के तेल की तुलना में सस्ता है, जिससे भारतीय रिफाइनरियों को बेहतर मुनाफा मिल रहा है। रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद भारतीय कंपनियां वैध रास्तों से आपूर्ति सुनिश्चित कर रही हैं। रूस के घरेलू रिफाइनिंग पर जनवरी-मार्च तिमाही में ड्रोन हमलों के कारण आयात में अस्थायी बढ़ोतरी देखी गई। भारत अपनी 85 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल की जरूरतें आयात से पूरी करता है। खास बात यह है कि रूसी तेल पश्चिमी देशों द्वारा लगाई गई मूल्स सीमा 60 प्रति बैरल डॉलर के भीतर ही कारोबार कर रहा है। इससे टैंकर और बीमा की उपलब्धता में कोई बाधा नहीं है और भारत को बिना रोक-टोक सस्ता तेल मिल रहा है। कमोडिटी विश्लेषक फर्म कैपलर के अनुसार, अप्रैल में रूस से कच्चे तेल का आयात मार्च की तुलना में 2.1 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, पिछले महीने भारत के कुल तेल आयात में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4.88 मिलियन बीपीडी रहा। रूस की भारत के कच्चे तेल के भंडार में हिस्सेदारी मार्च के 35.7 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल में 39.3 प्रतिशत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय की श्रद्धांजलि सभा

दादा और पत्नी ने किया सैल्यूट, सीएम सैनी की पत्नी ने चढ़ाए फूल

करनाल। हरियाणा के करनाल में नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें दादा, माता-पिता, पत्नी और बहन पहुंचे। इस दौरान सभी ने विनय नरवाल की फोटो पर फूल चढ़ा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं दादा और पत्नी हिमांशी ने सैल्यूट किया। इस दौरान पत्नी हिमांशी भावुक हो गईं। उन्हें ससुर राजेश ने दिलासा दिया। कार्यक्रम में सीएम नायब सैनी की पत्नी सुमन सैनी भी पहुंची। इससे पहले नेवी के अफसरों ने विनय नरवाल को श्रद्धांजलि दी। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण के अलावा करनाल जिले के विधायक भी यहां पहुंचेंगे। बता दें 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले में आतंकियों ने लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी। वे पत्नी हिमांशी के साथ हनीमून मनाने वहां गए थे। 23 अप्रैल को करनाल में विनय का अंतिम संस्कार किया गया था। बहन और चचेरे भाई ने मुखाग्नि दी थी। सीएम नायब सैनी ने कुछ दिन पहले परिवार को 50 लाख की मदद और एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा की थी।

उल्लू ऐप ने 'हाउस अरेस्ट' शो के सभी एपिसोड हटाए, मांगी माफी

मुंबई। डिजिटल प्लेटफॉर्म उल्लू ऐप पर प्रसारित 'हाउस अरेस्ट' शो को लेकर इसका विरोध हो रहा है। इस मामले में होस्ट और निर्माताओं को समन भी जारी हो चुका है। उल्लू ऐप ने शो के सारे एपिसोड हटाने के बाद माफी मांगी है। उल्लू ऐप पर 'हाउस अरेस्ट' शो को लेकर हिंदू संगठन ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामले को गर्माता देख उल्लू ऐप ने हाउस अरेस्ट के सभी शो हटा दिए हैं। उल्लू ऐप ने माफी मांगते हुए लिखा कि शो के सभी एपिसोड 3-4 दिन पहले हटा दिए गए थे। यह रिलीज आंतरिक टीम की अनदेखी और लापरवाही का परिणाम थी, जिसे हम स्वीकार करते हैं। कानून का पालन करने वाली संस्था के रूप में हम शो के रिलीज से हुई किसी भी असुविधा के लिए माफी मांगते हैं। धार्मिक भावनाओं को आहत करने और महिलाओं के अश्लील चित्रण के आरोप के साथ हिंदू संगठन की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने प्रोड्यूसर राजकुमार पांडे और होस्ट एजाज खान के खिलाफ 2 मई को एफआईआर दर्ज की थी। हिंदू संगठन का आरोप है कि प्रोड्यूसर और होस्ट ने मिलीभगत करके ऐसा कंटेंट तैयार किया जो महिलाओं का अपमान करता है और समाज में गलत मैसेज देता है। उन्होंने एक लिखित आवेदन देकर 'हाउस अरेस्ट' सीरीज को बंद करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की थी।

जम्मू-कश्मीर में गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, दो जवानों की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में भारतीय सेना का वाहन खाई में गिर गया, जिसमें दो जवानों की जान चली गई। यह घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी छस्मा के पास हुई। पुलिस, एसडीआरएफ, स्थानीय लोग और सेना ने तुरंत मोर्चा संभाला और बचाव और राहत कार्य शुरू किए। घटन की कुछ तस्वीरें सामने आई जिसमें 700 फीट गहरी खाई में वाहन क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहा है। घटनास्थल पर जवानों के शव, उनके सामान और कुछ कागजात बिखरे पड़े नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले का हिस्सा था। बता दें कि सेना का काफिला उधमपुर से श्रीनगर जा रहा था। रामबन के पास काफिले की जो गाड़ी खाई में जा गिरी, उसमें दो जवान सवार थे। एक चालक और एक सैनिक गाड़ी में सवार थे। एक शव बरामद कर लिया गया है और उसकी पहचान सुरजीत कुमार के रूप में हुई है। वहीं, दूसरे का पता लगाने अभियान खबर लिखे जाने तक जारी था।

यूपी में भीषण सड़क हादसा- चार लोगों की मौत, एक गंभीर घायल

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में एक भयानक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा शनिवार की रात करीब 12 बजे घटित हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। पु लिस के अनुसार कार चार लोगों से भरी हुई थी जो बारात से लौट रहे थे। हादसे में सुनील कुमार पटेल, चंद्रबदन सिंह पटेल, रवि कुमार पटेल, और एयरफोर्स कर्मी विकास कुमार पटेल की मौत हो गई। एक और व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। हादसे के बाद, चीख-पुकार के मच गई और मौके पर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने सभी को कार से निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, मौके से आगे की कार्रवाई अभी जारी है। जानकारी के मुताबिक शनिवार रात करीब 12 बजे जैसे ही कार पिपरी थाना क्षेत्र में गुंगवा का बाग के पास पहुंची, तो किसी और वाहन को बचाने के चक्कर में कार पेड़ से जा टकराई। कार की रफ्तार तेज थी, जिस वजह से बेकाबू हो गई।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717